गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-625

पाठ्यक्रम का शीर्षक: रचनात्मक लेखन

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	रचनात्मक लेखन की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• रचनात्मक लेखन के स्वरूप को समझाना। • रचनात्मक लेखन के विधागत और भाषागत तत्त्वों का अध्ययन कराना। • विविध विधाओं में रचनात्मक लेखन करने में सक्षम कराना। • रचनात्मक लेखन में उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों की जानकारी देना।	
पाठ्य विषय	**1. रचनात्मक लेखन : सैद्धांतिक पक्ष** • अवधारणा, स्वरूप, आधार तत्त्व एवं महत्त्व • रचनात्मक लेखन : प्रकार एवं तत्त्व (कविता, कथात्मक गद्य, कथेतर गद्य, बाल साहित्य लेखन, नाटक, एकांकी, एकालाप, नुक्कड़ नाटक, सूचनातंत्र के लिए लेखन, पुस्तक समीक्षा, भाषण, सूत्र-संचालन, कंटेंट लेखन, कॉमिक, ग्राफ़िक उपन्यास आदि) • भाषा सौष्ठव के विविध तत्त्व : अलंकार, प्रतीक, बिंब आदि। • रचनात्मक लेखन का अभ्यास • रचनात्मक लेखन के लिए उपलब्ध मंच एवं व्यावसायिक अवसर	**20**

	2. रचनात्मक लेखन : व्यावहारिक प्रयोग • कविता • कहानी • निबंध • लघु नाटक • नुक्कड़ नाटक • बाल साहित्य लेखन • भाषण • सूत्र-संचालन • कंटेंट लेखन • कॉमिक स्ट्रिप	**40**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) अलि, डॉ॰ आबिद एवं अन्य. लेखन कला : सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियाँ. निर्मल पब्लिशिंग हाउस, कुरुक्षेत्र, 2017. 2) गौतम, रमेश (सं॰). रचनात्मक लेखन. भारतीय ज्ञानपीठ. नई दिल्ली, 2016. 3) पाटिल, डॉ॰ आनंद. सृजनात्मक लेखन. पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे, 2009. 4) प्रतिमा, भारद्वाज, प्रवीन. रचनात्मक लेखन. श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2018.	
अधिगम परिणाम	• रचनात्मक लेखन के स्वरूप को समझेंगे। • रचनात्मक लेखन के विधागत और भाषागत तत्त्वों का अध्ययन करेंगे। • विविध विधाओं में रचनात्मक लेखन करने में सक्षम होंगे। • रचनात्मक लेखन में उपलब्ध व्यावसायिक क्षेत्रों में नौकरी करने में सक्षम होंगे।	